नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आंतरिक सुरक्षा का निर्णायक खाका

रायपुर में आयोजित पुलिस महानिदेशकों और पुलिस महानिरीक्षकों के 60 वें अखिल भारतीय सम्मेलन ने एक बार फिर साबित किया है कि भारत की आंतरिक सुरक्षा केवल आज की चुनौती नहीं, बल्कि 2047 तक के राष्ट्रीय भविष्य की नींव है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए संदेश इस बात को रेखांकित करते हैं कि सुरक्षा अब केवल वर्दीधारी बलों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का सामूहिक दायित्व है.

विकसित भारत तभी संभव है जब उसका सुरक्षा ढांचा आधुनिक, समन्वित और आने वाली चुनौतियों के अनुरूप तैयार हो. सम्मेलन की थीम 'विकसित भारत- सुरक्षा आयाम' अपने आप में एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को प्रस्तुत करती है. आज जब देश डिजिटल अर्थव्यवस्था, वैश्विक निवेश और तेज़ बुनियादी विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, तब सुरक्षा तंत्र को भी उसी गति और तकनीकी दक्षता की आवश्यकता है. प्रधानमंत्री ने पुलिस बलों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा-ड्रिवन मॉडल, फोरेंसिक क्षमता और आधुनिक डिजिटल टूल्स अपनाने का आह्वान किया. यह एक स्पष्ट संकेत है कि आने वाले समय की पुलिसिंग तकनीक-संचालित होगी, और पारंपरिक ढांचे के साथ नई तैयारी को जोड़ना ही सुरक्षा तंत्र की सफलता का आधार बनेगा.

दरअसल, भारत की आंतरिक सुरक्षा को सबसे गहरी चुनौती वामपंथी उग्रवाद और संगठित अपराध से है. सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के डीजीपी द्वारा पेश की गई 'बस्तर 2.0' रणनीति, जिसमें 31 मार्च 2026 तक माओवाद के पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य तय किया गया है, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाती है. वर्षों से देश की आंतरिक सुरक्षा नीति का सबसे कठिन क्षेत्र बस्तर ही रहा है. यदि वहां इस मिशन को सफलता मिलती है, तो यह देश की सुरक्षा व्यवस्था में एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी.

सम्मेलन की एक और महत्वपूर्ण विशेषता राज्यों के बीच बेस्ट प्रैक्टिस साझा करने पर दिया गया जोर है. यह स्वीकार किया गया है कि अपराध और सुरक्षा चुनौतियाँ प्रदेशों की सीमाओं के भीतर सीमित नहीं रहतीं. साइबर अपराध, नशीली दवाओं के नेटवर्क, अवैध हथियारों और अंतरराज्यीय गैंगों के खिलाफ लड़ाई तभी प्रभावी होगी जब राज्यों के बीच एकीकृत रणनीति बने. प्रधानमंत्री का यह संदेश कि 'राष्ट्रीय सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है', पुलिसिंग मॉडल को नए ढंग से परिभाषित करता है. महिला सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और 2047 तक का आंतरिक सुरक्षा रोडमैप इस सम्मेलन की वे विशेष धुरी हैं, जिन पर भारत का भविष्य निर्मित होगा. महिला सुरक्षा पर बढ़ते जोर का अर्थ है कि पुलिसिंग का मानवीय और संवेदनशील चेहरा अब प्राथमिकता पर है. वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फोरेंसिक विज्ञान का उपयोग न्याय प्रक्रिया को न केवल तेज़ करेगा, बल्कि उसे वैज्ञानिक और पारदर्शी भी बनाएगा.

प्रधानमंत्री द्वारा पुलिस बलों की सराहना और विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान करना उन हजारों अधिकारियों और जवानों के मनोबल को नई ऊर्जा देता है, जो कठिन परिस्थितियों में देश को सुरक्षित रखने में जुटे रहते हैं. इस सम्मेलन से निकला मुख्य संदेश स्पष्ट है, सुरक्षित भारत ही विकसित भारत की पूर्वशर्त है. 2047 का भारत एक वैश्विक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है, और इस यात्रा में आंतरिक सुरक्षा का नया, तकनीक-समर्थ, नागरिक-सहयोग आधारित मॉडल सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. रायपुर सम्मेलन इसी परिवर्तनशील भारत की सुरक्षा रूपरेखा का निर्णायक खाका प्रस्तुत करता है.

उत्तराखंड पर ग्लेशियर फूटने का खतरा

2013 की केदारनाथ बाढ़, जिसमें 5,000 से अधिक व्यक्तियों की जान गई थी व करोड़ों रुपयों की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी, वैज्ञानिकों के अनुसार बादल फटने व जीएलओएफ के संयुक्त प्रभाव का परिणाम थी. ग्लोबल वार्मिंग और तेजी से पिघलते ग्लेशियरों ने हिमालय को जीएलओएफ के लिए सबसे खतरनाक क्षेत्रों में शामिल कर दिया है; क्योंकि यहां तेजी से फैल रहीं ग्लेशियल झीलें उत्तराखंड के डाउनस्ट्रीम समुदायों, इन्फ्रास्ट्रक्चर व हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट्स के लिए मुख्य खतरा बन गई हैं.

वैज्ञानिकों ने सावधान किया है कि बढ़ती गर्मी से अचानक विनाशकारी हिमनद विस्फोट हो सकता है. ऐसा विस्फोट मिनटों में लाखों क्यूबिक पानी छोड़ देगा. यह बात केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा किये गए एक ताजा अध्ययन में सामने आयी हैं. यह अध्ययन वाडिया इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून, नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट हैदराबाद, जवाहरलाल नेहरु यूनिवर्सिटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी रुड़की और अन्य सहयोगी संस्थाओं के वैज्ञानिकों ने मिलकर किया है. यह अध्ययन सैटेलाइट इमेजरी, फील्ड डाटा, मीटरोलॉजीकल विश्लेषण और हाइड्रोडायनमिक मॉडलिंग के जरिये किया गया है. अध्ययन में पाया गया कि इस झील का 1968 में अस्तित्व ही नहीं था, यह 1980 में बनना शुरू हुई, फिर 2000 तक इसका विकास बहुत धीमी गति से हुआ. 2001 के बाद से इस झील का विस्तार घातक हो गया, तेजी से ग्लेशियर के पतला होने व सिकुड़ने के कारण. हिमनद विस्फोट के कारण ऊपरी हिस्सों में प्रति सेकंड 3,645 क्यूबिक मीटर पानी डिस्चार्ज होगा और वह भी 30 मी. प्रति सेकंड के अधिक वेग से. घुट्ट, घंसाली और भिलंगना हाइड्रोपॉवर स्टेशन एकदम

भारी जनहानि होने की आशंका

उत्तराखंड के केंद्रीय हिमालय क्षेत्र में लगभग 4,750 मी. की ऊंचाई पर भिलंगना ग्लेशियर झील है. ग्लोबल वार्मिंग के कारण यह झील बहुत तेजी से फैल रही है और अगर यह विस्तार जारी रहा, तो जीएलओएफ (ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड) का गंभीर खतरा भयंकर बढ़ जायेगा. यह बाढ़ अपने रास्ते में आने वाली इमारतों, सड़कों और मानव जीवन को भारी नुकसान पहुंचा सकती है.

सीधे सैलाब के मार्ग में पड़ते हैं और उनमें बाढ़ की गहराई 8-10 मीटर से अधिक हो सकती है. अध्ययन के अनुसार सड़क, पुल और पॉवर इन्फ्रास्ट्रक्चर को विशेषरूप से खतरा रहेगा. इससे जो जान और माल का नुकसान होगा, उसका अंदाजा स्वत: ही लगाया जा सकता है. गढ़वाल हिमालय में जिला चमोली के तपोवन क्षेत्र में रैनी गांव के निकट 7 फरवरी 2021 की सुबह जो दुखद घटना हुई थी, उसने निश्चितरूप से 2013 की केदारनाथ त्रासदी की याद दिला दी थी. इससे अनेक लोगों की जानें गई, वहीं 13.2 मेगावाट ऋषिगंगा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट

पूरी तरह से बह गया. धौलीगंगा नदी पर 520 मेगावाट एनटीपीसी हाइड्रो प्रोजेक्ट को आंशिक नुकसान पहुंचा और पानी के तेज बहाव से कम से कम पांच पुलों पर गहरा प्रभाव पड़ा व अनेक गांवों में पानी भर गया था. हाल के महीनों में मसूरी की लंढोर मार्किट में जमीन के धंसने की स्थिति बदतर होती जा रही, जिससे वहां रहने वालों और पर्यटकों की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं. जैन मंदिर और पूर्व कोहिनूर बिल्डिंग के बीच का जो रास्ता लगभग एक फट धंस गया है, जिससे सड़क पर और पास की इमारतों में चौड़े क्रैक आ गए हैं, जिससे अनेक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं. कुछ दशकों के दौरान उत्तराखंड में चार प्रमुख प्राकृतिक आपदाएं देखने में आयी हैं- 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में 768 लोगों की जानें गईं, 1998 के मालपा भूस्खलन में 255 लोग मरे, 1999 के चमोली भूकंप में 100 से ज्यादा लोग मरे और 2013 की केदारनाथ बाढ़ में 5,700 से अधिक लोग चल बसे. फिर 2021 में चमोली की घटना हुई. इन दुखद घटनाओं पर विराम एक ही सूरत में लग सकता कि पहाड़ों में कोई 'विकास' प्रोजेक्ट को मंजूरी देने से पहले वैज्ञानिकों की राय ले ली जाये, उन्हें अनदेखा न करें.

✍ नौशाबा परवीन

विंध्य की डायरी

विंध्य क्षेत्र से जुड़े सवाल गूंजेंगे विधानसभा में

डा. रवि तिवारी

विधानसभा का शीतकालीन सत्र एक दिसम्बर से शुरू होने जा रहा है. विंध्य क्षेत्र से जुड़े मुद्दे गूंजेगे. माननीय विधायको ने बिजली, सडक् व भ्रष्टाचार से जुड़े सवाल उठाते हुए शासन से जवाब मांगा है. सवालो के जवाब भी तैयार होकर सरकार के पास पहुंच गये है. कांग्रेस के सेमरिया विधायक ने कई विभागो को घेरा है.

बिजली, सडक् एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे को लेकर सवाल खड़े किये है. शीत कालीन सत्र में सरकार को घेरने के लिये विधायक ने पूरी तैयारी की है. तो वही सत्ता दल के विधायको ने भी सवाल उठाने में कोई गुरेज नही किया. मनगवां विधायक नरेन्द्र प्रजापति ने आरडीएसएस योजना के तहत किये जा रहे विद्युतीकरण के कार्य को लेकर जहा जानकारी मांगी है.

वही देवतालाब विधायक गिरीश गौतम ने भी खैरा ग्राम पंचायत भवन की जानकारी मांगी है. इसी तरह मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल ने रीवा और सीधी जिला पंचायत में उन अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी मांगी है जिनके विरूद्ध भ्रष्टाचार, अनियमितता व लोकायुक्त ट्रेप की कार्यवाही हुई हो. इसी तरह विंध्य के कई विधायको ने जनता से जुड़े मुद्दे उठाए है.

कुल मिलाकर शीतकालीन सत्र में विंध्य क्षेत्र से जुड़े मुद्दे गूंजेगे और सरकार को जवाब देना होगा.

ऑडियो वायरल होते ही गिरी गाज

मऊगंज जिले में इस समय प्रशासनिक खलबली मची हुई है, हाल ही में दो इंजीनियरो के बीच हुई बातचीत का एक कथित आडियो वायरल होते ही हडकम्प मच गया. आनन-फानन कार्यपालन यंत्री और उपयंत्री को पहले नोटिस थमाया, उसके बाद निलंबन की गाज गिर गिराई गई. दरअसल बातचीत के दौरान मऊगंज कलेक्टर पर टिप्पणी करने के साथ 68 लाख रूपये के कथित घोटाले को मैनेज किये जाने की बातचीत की गई. इतना ही नही न्यायालय पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी. जिसको लेकर उपयंत्री प्रवीण पाण्डेय की संविदा समाप्त कर दी गई और दूसरे दिन आरईएस के कार्यपालन यंत्री एस.बी रावत को तत्काल प्रभाव से रीवा कमिश्नर ने निलंबित कर दिया. मऊगंज में इस समय सब कुछ ठीक ठाक नही चल रहा. एक और कर्मचारी पर कलेक्टर के नाम पर रिश्वत मांगने का मामला गरमाया हुआ है.

विंध्य में ठंड के टूटे रिकार्ड

विंध्य क्षेत्र में कड़ाके की ठंड दिसम्बर और जनवरी में पड़ती है. लेकिन इस बार नवम्बर में ही कई वर्षो के रिकार्ड टूट गये. तापमान लुढक् कर 6.5 डिग्री पहुंच गया. इस बार समूचे विंध्य में नवम्बर के महीने में हाड़ कपाने वाली ठंड पड़ी. लिहाजा हृदय रोगियो की संख्या भी तेजी से बढ़ी है. कई लोग हार्ट अटैक से मौत के गाल में समा गये अस्पताल तक पहुंचने का समय नही मिला. विंध्य के इकलौते सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के कार्डियोलाजी विभाग में एक बेड तक खाली नही है और इधर 6 दिनो में एक हजार मरीज दिखाने पहुंचे. यह ठंड का ही असर है कि लोगो के जान पर आ गई. जबकि असल ठंड का महीना अब शुरू होने वाला है. पुराने लोग बताते है कि इस तरह कड़ाके की ठंड नवम्बर के महीने में कभी नही पड़ी. अब आगे दो महीने में तापमान कितना नीचे जाता है कुछ कहा नही जा सकता पर ठंड ने सभी रिकार्ड तोड़ दिये है.

बास्केटबॉल हादसे को गंभीरता से लें

एक ओर तो हम 20 वर्ष के अंतराल के बाद 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन करने जा रहे हैं और 2036 के ओलंपिक की मेजबानी का दावा कर रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ हमारे यहां खेलों का बुनियादी ढांचा खोखला व जर्जर नजर आ रहा है. हरियाणा में अमन कुमार और हार्दिक राठी जैसे होनहार बास्केटबॉल खिलाड़ियों की मौत जंग लगे पोल गिरने से हो गई. हार्दिक राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी था. क्या इन 2 नौजवानों की मौत को दुर्घटना कहकर टाला जा सकता है? फीता काट कर उद्घाटन करने के बाद यदि खेल के स्थान व उपकरणों की ठीक से देखरेख न हो तो ऐसे ही हादसे होंगे. जर्जर हो चुके पोल के पाइप क्यों नहीं बदले गए? यह अधिकारियों की घोर लापरवाही है. खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं देने और खेल से संबंधित ढांचा सही व मजबूत रखने पर ध्यान देना होगा. बास्केटबॉल ऐसा खेल है जिसे कामनवेल्थ गेम्स में रखने का विचार किया जा रहा है. इन उदीयमान खिलाड़ियों की मौत देश के खेल जगत की क्षति है. हरियाणा का यह हादसा देश के अन्य राज्यों के लिए भी चेतावनी है कि वह अपना खेल ढांचा दुरूस्त रखें. ऐसा रवैया नहीं होना चाहिए कि कोई दुर्घटना होने के बाद अधिकारियों को होश आए. खेल व क्रीड़ा क्षेत्र को विगत वर्षों में बढ़ावा मिला है लेकिन सिर्फ प्रोत्साहन पर्याप्त नहीं है. हर खेल में बुनियादी सुविधाएं ठीक हैं या नहीं, इसकी देखरेख नियमित रूप से होनी ही चाहिए. विदेश में तो और भी तगड़े व वजनदार बास्केटबॉल खिलाड़ी होते हैं जो गेंद को नेट में डालने के लिए बार-बार उछलते हैं लेकिन हाथ लगने से उन पर पोल या ढांचा नहीं गिरता. फिर हरियाणा में ही 2 स्थानों पर ऐसा क्यों हुआ? जांच के बाद आवश्यक सुधार कर सिस्टम में समुचित बदलाव किया जाए.

हार्दिक राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी था. क्या इन 2 नौजवानों की मौत को दुर्घटना कहकर टाला जा सकता है? फीता काट कर उद्घाटन करने के बाद यदि खेल के स्थान व उपकरणों की ठीक से देखरेख न हो तो ऐसे ही हादसे होंगे. जर्जर हो चुके पोल के पाइप क्यों नहीं बदले गए? यह अधिकारियों की घोर लापरवाही है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

मोह-माया का बड़ा गहरा असर राबड़ी नहीं छोड़ना चाहतीं घर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ीदेवी को आदेश दिया है कि वह अपना 10, सर्कुलर रोड आवास खाली कर दें लेकिन राजद इस बंगले को खाली नहीं करने पर अड़ा हुआ है. इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक घमासान तेज होता जा रहा है.' हमने कहा, 'उस मकान में 2 पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव व राबड़ी देवी रहते हैं. अब इस ढलती उम्र में उनसे घर खाली करने के लिए कहा जा रहा है. सीनियर सिटिजन्स के लिए कुछ तो दया होनी चाहिए. जिस घर में लंबे समय तक रहो, उससे गहरा लगाव हो जाता है और छोड़ने का मन नहीं करता. वहां लालू-राबड़ी ने अपनी प्रिय गाय-भैंसों का तबेला भी बना रखा होगा. उनकी 7 बेटियों का मायका भी वहीं है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, भाजपा व जदयू नेताओं ने कहा है कि सरकारी भवन में निवास स्थायी नहीं होता. लालू मोह-माया के चक्कर में पड़ गए हैं. नियमानुसार उन्हें घर खाली करना चाहिए, जब सरकार राबड़ी देवी को विधान परिषद में विपक्ष के नेता के तौर पर 39, हार्डिंग रोड का दूसरा आवास दे रही है तो वहां शिफ्ट हो जाने में क्या हर्ज है?' हमने कहा, 'आप लालू और राबड़ी की भावना या इमोशन समझ नहीं रहे हैं. मकान सिर्फ 4 दीवारों से नहीं बनता, उससे मन जुड़ जाता है. दिल में आवाज उठती है- जीना यहां, मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां! उम्र के चौथे पड़ाव में वह अपनी जगह से हिलना नहीं चाहते.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, राबड़ी देवी और लालू के पास चारा घोटाले और लैंड फार जॉब घोटाले की इतनी दौलत है कि वह अपने लिए महल बनवा सकते हैं. सरकारी आवास को कब तक हथियाए रहेंगे? यह तो वैसी ही प्रवृत्ति है राम-राम जपना, पराया माल अपना! दिल्ली में भी कितने ही पूर्व सांसद हैं जो चुनाव हारने पर भी सरकारी बंगला नहीं छोड़ते. उन्हें लगता है कि अगली बार चुनाव जीत गए तो इतना अच्छा मकान फिर कहां मिलेगा. ऐसे नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस पुराने बयान से कुछ सीखना चाहिए जिसमें उन्होंने कहा था- हम तो फकीर आदमी ठहरे, कभी भी झोला-डंडा उठाकर चल देंगे.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12096

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	■	4	5	6
7		■	8				
	■	9	■	■	10		
■	11		12		■		■
13				■	14		15
16			■	17		■	
18		■	19				
20			■	21		■	

बाएं से दाएं

1. भीख मांगकर निर्वाह करने वाला 4. स्नेह, अपना समझने का भाव 7. मुंह से निकलने वाला थूक 8. रथ हांकने वाला, सारथी 10. दबाना, दमन करना, दूर करना 11. नरक संबंधी, नरक भोगी जैसा 13. डराना 14. पहचानने वाला, विवेक प्रयोग करने वाला (उर्दू) 16. दृष्टि, निगरानी, दृष्टि का बुरा प्रभाव, निगाह (उर्दू) 17. हाथ, किरण, महसूल, टैक्स (सं) 18. किसी तथ्य या तत्व के निर्णय के लिए होने वाला तर्क, बहस 19. जिसका अपमान हुआ हो 20. पत्थर आदि का वह चमकीला रंगीन टुकड़ा जो शोभा के लिए आभूषण, अंगूठी आदि में जड़ा जाता है. (उर्दू) 21. चणक, एक प्रसिद्ध अन्न

ऊपर से नीचे

1. एक जंगली वृक्ष जिसका विषैला फल औषधि के काम आता है, भल्लातक 2. खार, शोरा, राख 3. बहादुर, बलवान 4. सामग्री, मसाला, पीब (उर्दू) 5. महकना, सुगंध बिखेरना (उर्दू) 6 देखना, ताड़ना 9. आवश्यकता (उर्दू) 11. किसी चुनाव या काम आदि के लिए किसी का नाम निश्चित किया जाना (उर्दू) 12. द्वेष (उर्दू) 13. धनी, अमीर 14. लज्जित होना, लज्जित करना 15 सपाट, जिसकी सतह या तल बराबर हो 17. छिलका, बख्तर, वर्म, तावीज (सं.)

Solution 12095

अ	स	मं	ज	स	■	वा	चा
■	मा	■	स	मी	क	र	ण
वि	धा	न	■	र	थ	■	क्य
■	न	र	मी	■	नी	च	■
से	■	सिं	■	म	य	क	श
ना	■	ह	मे	शा	■	मा	ता
प	शु	■	ह	ल	क	■	यु
ति	क	ड़ी	■	■	द	फा	■

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में वाहन का सुख मिलेगा. शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता के योग है. कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी. वर्ष के मध्य में दिनचर्या में व्यवधान आयेगा. पारिवारिक समस्या में व्यस्तता रहेगी. अधिकारी के कोप का सामना करना होगा. मन व्यथित रहेगा. वर्ष के अन्त में धार्मिक कार्यो में सफलता मिलेगी. संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, स्थिति सुधरेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों की दिनचर्या में व्यवधान आयेगा. मन व्यथित रहेगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वाहन का सुख मिलेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को धार्मिक कार्यो में सफलता मिलेगी. संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों का मन परेशान रह सकता है. अधिकारी से मतभेद बढेंगे. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को व्यवसायिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को शिक्षा आदि में लाभ होगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक रूपवान, सुन्दर, हष्टपुष्ट, मिलनसार, एवं बचपन में जिद्दी, अधिक होगा. शिक्षा में देर से रूचि जागेगी. खेलों के प्रति रूचि रहेगी. कोई नया कार्य सीखेगा. पहिले नौकरी बाद में व्यवसाय करेगा.

मेष- जीवनसाथी के व्यवहार से खिन्नता होगी, बिना मांगे सलाह न दें, मित्रों की मदद मिलेगी, कारोबारी यात्रा का योग सुखद रहेगा.

वृषभ- आप अपनी गलती मानने की बजाय दूसरों को दोष देंगे, जिससे संबंध बिगड़ सकते हैं, कार्य में इच्छानुसार सफलता मिलेगी, लाभ प्राप्त होने का योग है.

मिथुन- अधिकारियों के आदेश की अवहेलना न करें, धैर्य से काम लें, यात्रा हो सकती है, दूसरों के कामकाज में मदद मिलेगी. वाहन पर व्यय होगा.

कर्क- सकारात्मक सोच से उलझे मामले सुलझेंगे, मांगलिक कार्य में उपस्थिति रहेगी, संतान संबंधी कार्य होंगे, खरीदी में सावधानी रखें, यश मिलेगा.

सिंह- कोर्ट कचहरी के मामले पक्ष में हल होने की उम्मीद है, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, कामकाज में रूकावट आयेगी, किसी नजदीकी रिश्तेदारों में जाना पड़ेगा.

कन्या- सहकर्मियों के असहयोग से तनाव बढ़ सकता है, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, कारोबार में इच्छानुसार सफलता मिलेगी. साहस संयम से कार्य करें.

तुला- मित्रों के साथ घूमने फिरने का कार्यक्रम बनेगा, बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, आपके कामकाज में सुधार होगा, पारिवारिक सहयोग मिलेगा.

वृश्चिक- मेहमानों के साथ व्यवस्था रहेगी, पूर्व में की गई मेहनत का लाभ मिलेगा, कामकाज में सफलता का योग है, नई योजना पर विचार विमर्श होगा.

धनु- अधिकारियों की अनदेखी से मुश्किल हो सकती है, पारिवारिक जिम्मेदारी बढेगी, नौकरी में कोई काम जरूरी करना पड़ सकता है.

मकर- काम को समय पर पूरा कर लें, लाभ होगा, मामूली बात से करीबी रिश्तों में गलतफहमी होगी, नया खर्च सामने आ सकता है, कामकाज में वृद्धि होगी.

कुम्भ- विरोधियों से निपटने के लिये कूटनीति से काम लें, प्रियजन से मुलाकात होगी, स्वयं की गलती से कहीं कोई नुकसान हो सकता है, परिश्रम अधिक करना पड़ेगा.

मीन- भावनाओं पर काबू रखें, लोग मजाक उड़ायेंगे, व्यापार व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी, किसी व्यक्ति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

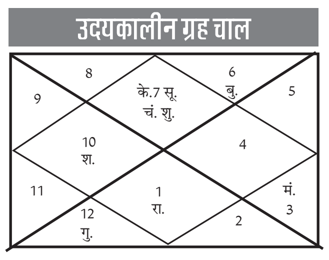

पंचांग

रा.मि. 10 संवत् 2082 मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी चन्द्रवासरे दिन 2/21, रेवती नक्षत्रे रात 7/49, व्यतिपात योगे रात 10/29, विष्टि करणे सू.उ. 6/43, सू.अ. 5/17, चन्द्रचार मीन रात 7/49 से मेष, पर्व- मोक्षदा एकादशी व्रत, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को रेवती नक्षत्र के प्रभाव से जीरा, धनियां, में घटाबढ़ी होगी, चना, जूट, पाट, बारदाना, देशी घी, तिल, सरसों, में मंदी की चाल चलेगी. वायदा मार्केट आज 11 बजकर 50 मिनिट के बने रूख पर व्यापार लाभदायक रहेगा. भाग्यांक 1539 है.

SUDOKU 7228

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7227

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4